

वामपंथी उग्रवाद

प्रलिम्स के लिये:

LWE, माओवाद, [समाधान पहल](#), आदविसियों के मुद्दे।

मेन्स के लिये:

भारत में [वामपंथी उग्रवाद](#) से संबंधित मुद्दे, भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियाँ, वामपंथी उग्रवाद, माओवाद, [समाजवाद](#), भारत में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपाय।

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ और असम से नक्सली हमले की दो अलग-अलग घटनाएँ सामने आईं।

- छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के सबसे बड़े ऑपरेशन में से एक में छत्तीसगढ़ के काँकर इलाके में **29 नक्सली** मारे गए।
- जबकि एक अन्य घटना में नक्सलियों ने पूर्वी असम के तनिसुकिया ज़िले में **पैरामलिट्री असम राइफल्स के तीन वाहनों** पर घात लगाकर हमला किया गया।

नक्सलवाद क्या है?

■ उत्पत्ति:

- **नक्सलवाद** शब्द का नाम पश्चिम बंगाल के गाँव नक्सलबाड़ी से लिया गया है।
- इसकी शुरुआत स्थानीय ज़मींदारों के खिलाफ विद्रोह के रूप में हुई, जसिने भूमि विवाद पर एक किसान की पटाई की थी।
- यह आंदोलन जल्द ही पूर्वी भारत में छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्रप्रदेश जैसे राज्यों के कम विकसित क्षेत्रों में फैल गया।
- **वामपंथी उग्रवादी (LWE)** विश्व भर में माओवादियों और भारत में **नक्सली** के रूप में लोकप्रिय हैं।

■ उद्देश्य:

- वे **सशस्त्र क्रांति** के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकने और **माओवादी सिद्धांतों** पर आधारित एक **कम्युनिस्ट राज्य** की स्थापना का समर्थन करते हैं।
- वे राज्य को **दमनकारी, शोषक** और सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग के हितों की सेवा करने वाले के रूप में देखते हैं, वे सशस्त्र संघर्ष एवं जनयुद्ध (People's War) के माध्यम से सामाजिक-आर्थिक शिकायतों का समाधान करना चाहते हैं।

■ संचालित करने का तरीका:

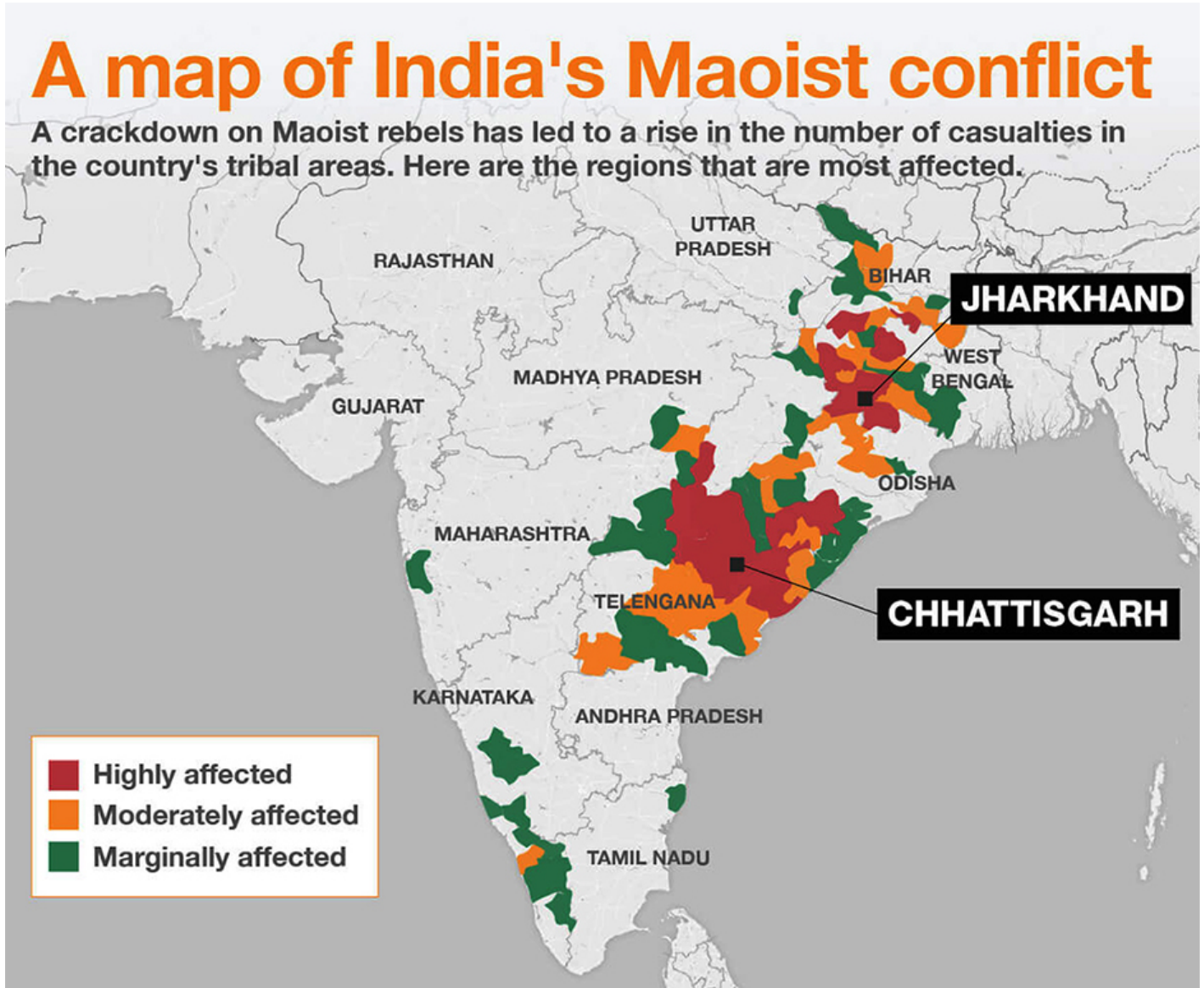
- नक्सली समूह गुरलिला युद्ध, सुरक्षा बलों पर हमले, जबरन वसूली, धमकी और प्रचार सहित कई गतिविधियों में संलग्न हैं।
- वे सशस्त्र विद्रोह, जन लामबंदी और रणनीतिक गठबंधन के संयोजन के माध्यम से **राज्य की सत्ता को अधिग्रहीत करने** का प्रयास करते हैं।
- वे **सरकारी संस्थानों, बुनियादी ढाँचे** और आर्थिक हितों के साथ-साथ कथित सहयोगियों एवं मुखबरियों को **नशाना बनाते** हैं।
- नक्सली अपने नयितरण वाले कुछ क्षेत्रों में **समानांतर शासन संरचनाएँ भी संचालित** करते हैं, जसिमें बुनियादी सेवाएँ और न्याय प्रदान करना शामिल है।

■ भारत में वामपंथी उग्रवाद की स्थिति:

- वर्ष 2022 में वगित चार दशकों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हिसा और मौतों की **सबसे कम घटनाएँ देखी** गईं।
- नक्सलवाद प्रभावित राज्यों में हसिक घटनाओं में वर्ष 2010 की तुलना में वर्ष 2022 में **77%** की कमी आई है।
 - इससे प्रभावित ज़िलों की संख्या 90 से घटकर 45 रह गई है।
- वामपंथी हिसा में **सुरक्षा बलों और नागरिकों की मौतों** की संख्या भी वर्ष 2010 की तुलना में वर्ष 2022 में 90% कम हो गई है (2010 में 1005 से 2022 में 98)।

■ वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य:

- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्यों को वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित माना जाता है।
- **रेड कॉरिडोर** भारत के मध्य, पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों का वह क्षेत्र है जो गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव करता है।



//

नक्सलवाद के कारण क्या हैं?

■ सामाजिक-आर्थिक कारक:

- **विकास का अभाव और गरीबी:** **नक्सलवाद** उच्च गरीबी दर वाले **अविकसित क्षेत्रों** में पनपता है।
 - आदिवासी (स्वदेशी) और दलित (नचिली जाती) समुदायों को अक्सर सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है और स्वास्थ्य देखभाल तथा शिक्षा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक पहुँच की कमी होती है।
 - इससे उनमें आक्रोश बढ़ता है और वे नक्सली विचारधारा के प्रति ग्रहणशील हो जाते हैं।
- **भूमि अधिकार विवाद:**
 - खनन और विकास परियोजनाओं के कारण आदिवासियों को उनकी पारंपरिक भूमि से वसिस्थापित किया गया है, जिससे आक्रोश और अन्याय की भावना उत्पन्न हुई है।

- नक्सली इन विवादों का फायदा स्वयं को हाशिये पर पड़े लोगों के संरक्षक के रूप में पेश करने के लिये करते हैं।
- शक्तिशाली संस्थाओं द्वारा शोषण:
 - जनजातीय समुदाय विशेष रूप से ज़मींदारों, साहूकारों और खनन कंपनियों द्वारा शोषण के प्रति संवेदनशील होते हैं।
 - नक्सली इस प्रकार के शोषण के विरुद्ध स्वयं को संरक्षक के रूप में पेश करते हैं।
- जातगत भेदभाव: सामाजिक और आर्थिक हाशिये पर रहने वाले दलितों को नक्सलवाद आकर्षक लग सकता है क्योंकि यह मौजूदा जाति पदानुक्रम को चुनौती देता है।
- राजनीतिक कारक:
 - कमज़ोर शासन और बुनियादी ढाँचे की कमी: कमज़ोर शासन की उपस्थिति और सुरक्षा से संबंधी बुनियादी ढाँचे के अभाव वाले क्षेत्रों में नक्सलवाद पनपता है।
 - सड़क और संचार नेटवर्क जैसे खराब बुनियादी ढाँचा होने से नक्सली न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ अपने कार्यों को करने में सक्षम होते हैं।
 - प्रशासन की ओर से कोई अनुवर्ती कार्रवाई नहीं: यह देखा गया है कि पुलिस द्वारा किसी क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लेने के बाद भी, प्रशासन उस क्षेत्र के लोगों को आवश्यक सेवाएँ प्रदान करने में वफ़िल रहता है।
 - केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय की कमी: राज्य सरकारें नक्सलवाद को केंद्र सरकार का मुद्दा मानती हैं और इसलिये इससे संघर्ष के लिये कोई पहल नहीं कर रही हैं।
 - लोकतंत्र से मोहभंग: नक्सलियों को लगता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था उनकी आवश्यकताओं एवं शिकायतों को दूर करने में वफ़िल रही है।
 - नक्सली परिवर्तन के विकल्प मार्ग प्रस्तुत करते हैं, यद्यपि यह हसिक होता है।
- अतिरिक्त कारक:
 - वैश्वीकरण: वैश्वीकरण के प्रभाव के कारण असंतोष, विशेष रूप से नगियों के लिये भूमि अधिग्रहण के कारण वसिस्थापन आदि नक्सली समर्थन में योगदान कर सकता है।
 - नक्सलवाद को एक सामाजिक मुद्दे अथवा सुरक्षा खतरे के रूप में नपिटने पर भ्रम बना रहता है।
 - व्यापक भौगोलिक प्रसार: वामपंथी उग्रवाद समूह सुदूर तथा दुरगम क्षेत्रों में कार्य करते हैं; घने जंगल, पहाड़ी क्षेत्र एवं उचित बुनियादी ढाँचे की कमी के कारण सुरक्षा बलों के लिये उनका पता लगाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

नक्सलवाद के विरुद्ध सरकार की पहल क्या हैं?

- वामपंथी उग्रवाद को संबोधित करने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना, 2015
- समाधान
- आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम
- सुरक्षा संबंधी वयय (SRE) योजना: सुरक्षा संबंधी वयय के लिये 10 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में लागू की गई योजना।
 - यह सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण एवं परिचालन आवश्यकताओं, वामपंथी उग्रवाद हिसा में मारे गए अथवा घायल हुए नागरिकों या सुरक्षा बलों के परिवार को अनुग्रह भुगतान, आत्मसमर्पण करने वाले वामपंथी उग्रवादी कैदरों के पुनर्वास, सामुदायिक पुलिसिंग, ग्राम रक्षा समितियों तथा प्रचार सामग्री से संबधित है।
- अधिकांश वामपंथी उग्रवाद प्रभावित ज़िलों के लिये विशेष केंद्रीय सहायता (SCA): इसका उद्देश्य सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे एवं सेवाओं में महत्त्वपूर्ण अंतराल को भरना है, जो आकस्मिक प्रकृतिके होते हैं।
- पुलिस स्टेशनों सुदृढीकरण की योजना: योजना के तहत वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 604 सुदृढीकृत पुलिस स्टेशनों का निर्माण किया गया है।
- वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिये सड़क संपर्क परियोजना (RCPLWE): इसका उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद प्रभावित राज्यों में सड़क संपर्क में सुधार लाना है।

आगे की राह

- लक्षित सुरक्षा संचालन: सुरक्षा बलों को खुफिया-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करके और संपार्षविक क्षति से बचने के लिये वामपंथी समूहों के विरुद्ध लक्षित अभियान चलाने की आवश्यकता है।
- पुनर्वास एवं पुनर्एकीकरण: सरकार को उन पूर्व चरमपंथियों को पुनर्वास और पुनर्एकीकरण सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है, जिन्होंने हिसा छोड़ दी है उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण, रोज़गार के साथ-साथ मनोसामाजिक सहायता प्रदान की जाए।
 - वामपंथी उग्रवाद में फँसे नरिदोष लोगों को मुख्यधारा में लाने के लिये राज्यों को अपनी आत्मसमर्पण नीतिको तर्कसंगत बनाना चाहिये।
- स्थानीय शांति राजदूतों को सशक्त बनाना: समुदायों के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों की पहचान करना और उन्हें सशक्त बनाना जो शांतिको बढ़ावा देने के साथ ही चरमपंथियों का मुकाबला करने के लिये प्रतबिद्ध हैं।
 - सरकार, सुरक्षा बलों एवं इससे प्रभावित समुदायों के बीच संचार माध्यमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।
 - इसके अलावा सामुदायिक नेताओं, गैर सरकारी संगठनों और धार्मिक संस्थानों को संघर्षों में मध्यस्थता करने तथा स्थानीय मुद्दों को संबोधित करने में भूमिका निभाने के लिये प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।
- सामाजिक-आर्थिक विकास: सरकार को वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे में निवेश, रोज़गार के अवसर उत्पन्न करने तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक बेहतर पहुँच प्रदान करने जैसी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
- पारस्थितिक एवं सतत विकास पहल: उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान केंद्रित करने वाली परियोजनाएँ शुरू करना।

- पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करके, स्वामित्व और ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया जा सकता है, जिससे उग्रवाद पर नियंत्रण किया जा सकता है।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

उग्रवाद वरिधी अभयानों के दूरान सैन्य टुकड़यिों की नयमति कषति भारत की आंतरकि सुरक्षा कषमता के साथ-साथ वामपंथी उग्रवाद (left-wing extremism) द्वारा उत्पन्न मौजूदा चुनौती के लयि कई असफलताओं को रेखांकति करती है। चर्चा कीजयि।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. पछिड़े कषेत्रों में बड़े उद्योगों का वकिस करने के सरकार के लगातार अभयानों का परणाम जनजातीय जनता और कसिानों, जनिको अनेक वसिथापनों का सामना करना पड़ता है, का वलिंगन (अलग करना) है। मलकानगरि और नकसलबाड़ी पर ध्यान केंद्रति करते हुए वामपंथी उग्रवादी वचिरधारा से प्रभावति नागरकिों को सामाजकि और आर्थकि संवृद्धि की मुख्यधारा में फरि से लाने की सुधारक रणनीतयिों पर चर्चा कीजयि। (2015)

प्रश्न. भारतीय संवधिन का अनुच्छेद 244 अनुसूचति कषेत्रों और आदविसी कषेत्रों के प्रशासन से संबंधति है। वामपंथी उग्रवाद के वकिस पर पाँचवीं अनुसूची के प्रावधानों के गैर-कारयानवयन के प्रभाव का वशिलेषण कीजयि। (2018)

प्रश्न. भारत के पूर्वी हसिसे में वामपंथी उग्रवाद के नरिधारक क्या हैं? प्रभावति कषेत्रों में खतरे का मुकाबला करने के लयि भारत सरकार, नागरकि प्रशासन और सुरक्षा बलों को क्या रणनीति अपनानी चाहयि? (2020)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/left-wing-extremism-7>

